एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(1) कबीरदास

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है – (क) संदर्भ सहित व्याख्या, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड–(क) संदर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक कबीर ग्रन्थावली, सम्पादक : श्यामसुन्दरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (सम्पूर्ण पदावली) में से छः अवतरण पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा ।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित कवि कबीरदास और उनकी वाणी पर आधारित पाठ्य विषयों में से छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 45(3 X 15) अंकों का होगा।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि और उनकी वाणी (कबीर ग्रन्थावली) पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा इस खण्ड के लिए 15 (5 X 3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। कबीरदास और उनकी वाणी (कबीर ग्रन्थावली) पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिए 10(1 X 10) अंक निर्धारित है।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ :

कबीर ग्रन्थावली : श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (सम्पूर्ण पदावली)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषय

कबीरदास का प्रेम निरूपण, सौंदर्य–भावना, रस–योजना (विशेषकर संयोग एवं वियोग श्रृंगार), समन्वयवाद, मध्यकालीन विचारकों में कबीर का स्थान, आधुनिक संदर्भों में कबीर काव्य की प्रासंगिकता, कविता का मानदण्ड और कबीर, काव्य रूप, छन्द–अलंकार, प्रतीक–योजना, रचना–शैली, उल्टबांसिया, प्रमुख पारिभाषिक शब्द (शून्य, निरंजन, नाद, बिन्दु, सहज, खसम, उन्मनि)

संदर्भ सामग्री :

1. हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर; राजदेव सिंह, आलेख प्रकाशन, दिल्ली 1980
2. कबीर : आधुनिक सन्दर्भ में, राजदेव सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1971
3. कबीर साहित्य की परख, परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग 1954
4. कबीर की विचारधारा, गोबिन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर 1957
5. कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त, सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर, 1969
6. कबीर–दर्शन, डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, 1961
7. कबीर–मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1976
8. कबीरपंथ : साहित्य, दर्शन एवं साधना, उमा ठुकराल, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली, 1998
9. सन्त साहित्य : पुनर्मूल्यांकन, राजदेव सिंह, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली 1973
10. सन्तों की सहज साधना, राजदेव सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1976

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(।।) तुलसीदास

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है – (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न, (ग) लघूत्तरी प्रश्न, (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (विनयपत्रिका) के नियत अंशों में से छह अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी । यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित कवि तुलसीदास और उनकी कृति पर छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 45 (3 X 15) अंकों का होगा ।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि और उनकी कृति (विनयपत्रिका) पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5 X 3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। तुलसीदास और उनकी कृति (विनयपत्रिका) पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 10 (1 X 10) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

1. विनयपत्रिका : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
   (केवल उत्तरार्द्ध)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

विनय पत्रिका : नामकरण और उद्देष्य, तुलसीदास की नारी–भावना, मर्यादावाद, मनोविज्ञान, शील–निरूपण, प्रकृति चित्रण, गीतिकाव्य, काव्य–भाषा, भारतीय साहित्य के संदर्भ में तुलसी का मूल्यांकन, आधुनिक संदर्भों में तुलसी काव्य की प्रासंगिकता ।

सन्दर्भ–सामग्री :

1. तुलसी काव्य–मीमांसा, उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ 1964
2. तुलसी और उनका युग, राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी 1953
3. तुलसीदास ' चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 1957
4. तुलसी मानस–रत्नाकर : भाग्यवती सिंह, सरस्वती बुक सदन, आगरा 1952
5. तुलसी–दर्शन, बलदेव प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1967
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 1972
7. तुलसी : नवमूल्यांकन, रामरत्न भटनागर, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद 1971
8. तुलसी : उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1974
9. गोंसाई तुलसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1965
10. संभावना (तुलसी विशेषांक), हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(III) सूरदास
निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है।–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक सूरसागर–सार (मथुरा गमन, उद्धव संदेश, द्वारिका चरित) में से छह अवतरण पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी । यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित कवि सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिए 45 (3 X 15) अंक निर्धारित हैं।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15(5X3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिए 10 (1 X 10) अंक निर्धारित है।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

सूरसागर–सार : धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद (मथुरा गमन, उद्धव संदेश, द्वारिका चरित)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

भ्रमरगीत का उद्देश्य, भ्रमरगीत में वाग्वैदग्ध्य, कृष्ण, राधा, नन्द और यशोदा के शील–निरूपण, आधुनिक संदर्भों में सूरकाव्य की प्रासंगिकता, भ्रमरगीत परम्परा में सूरकृत भ्रमरगीत का स्थान, सूर का गीतिकाव्य, संगीत–साधना, दृष्टिकूट–पदावली, भाषा, काव्य रूप एवं छन्द–अलंकार योजना, सूरकाव्य और कविता के आधुनिक प्रतिमान ।

संदर्भ सामग्री :

1. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई 1956
2. महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली 1952
3. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा, हिन्दी परिषद, प्रयाग विश्वविद्यालय, 1950
4. सूरदास : हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 1972
5. सूरदास : रामचन्द्र शुक्ल, सरस्वती मंदिर, बनारस 1949
6. सूरकाव्य में लोक दृष्टि का विश्लेषण, मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स दिल्ली 2000
7. सूर–सौरभ : मुंशीराम शर्मा 'सोम' आचार्य शुक्ल, साधना मंदिर दिल्ली 1953
8. संभावना (सूर विशेषांक) हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र 1981

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(IV) रीतिकाल

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है – (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न, (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पाठ्य पुस्तक (रीतिकाव्यधारा–अंतिम 7 कवि – 1. सेनापति, 2. देव, 3. दास, 4. पदमाकर, 5. ठाकुर, 6. बोधा, 7. द्विजदेव), में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी । यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। यह खण्ड 45 (3 X 15) अंकों का होगा ।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। यहाँ (गिरिधर, वृंद, लाल, सूदन, दयाराम) पाँच कवियों का द्रुतपाठ अपेक्षित है। प्रत्येक कवि पर दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15(5 X 3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। पाठ्यपुस्तक (रीतिकाव्यधारा) पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 10(1X10) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

रीतिकाव्यधारा; रामचन्द्र तिवारी एवं रामफेर त्रिपाठी; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषय

रीतिकाल में अलंकार–निरूपण; छंद योजना; भाषा–सौष्ठव; काव्य–रूप; गद्य–साहित्य; रीतिकाल का योगदान; केशवदास और उनका काव्य; मतिराम और उनका काव्य; सेनापति और उनका काव्य; देव और उनका काव्य; भिखारी दास और उनका काव्य; पद्माकर और उनका काव्य; बिहारी और उनका काव्य; भूषण और उनका काव्य; घनानंद और उनका काव्य;

संदर्भ सामग्री :

1. किशोरीलाल; रीतिकवियों की मौलिक देन, साहित्यभवन प्रा.लि.; इलाहाबाद (1971)
2. देवराज; रीतिकालीन काव्य सिद्धान्त; चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, संवत् 2025
3. महेन्द्र कुमार; रीतिकालीन रीति–कवियों का काव्य शिल्प; आर्य बुक डिपो; दिल्ली (1978)
4. मनेन्द्र पाठक; रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य; ईस्टर्न बुक लिंकर्स; दिल्ली (1974)
5. रमेश कुमार शर्मा; श्रृंगारकाल का पुनर्मूल्यांकन; आर्य बुक डिपो; दिल्ली (1978)
6. रामकुमार वर्मा; रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन; साहित्य भवन; इलाहाबाद (1984)
7. रामदेव शुक्ल; घनानन्द का काव्य; लोकभारती प्रकाशन; साहित्य भवन; इलाहाबाद (1996)

8. रामसागर त्रिपाठी; मुक्तक काव्य की परम्परा और बिहारी; अशोक प्रकाशन; दिल्ली (1966)
9. सत्यदेव चौधरी; हिन्दी रीति परम्परा के प्रमुख आचार्य; हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय; दिल्ली विश्वविद्यालय; दिल्ली ।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(V) राजभाषा–प्रशिक्षण
निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे; जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसके लिए 60 (3 X 20) अंक निर्धारित हैं।
2. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे; जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20(5 X 4) अंक निर्धारित हैं।
3. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर ही आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इनके लिए 10(1 X 10) अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न–पत्र में अंतिम प्रश्न के रूप में, परीक्षार्थी से किसी अधिकारी को एक कार्यालयी पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा। दो प्रश्न पूछे जायेंगे एक का उत्तर देना होगा। प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिन्दी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण तथा पत्राचार; कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या; हिन्दी कम्प्यूटरीकरण; हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण; केन्द्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति; विधिक क्षेत्र में हिन्दी; सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और देवनागरी लिपि; भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य।

संदर्भ सामग्री :

1. महेशचन्द्र गुप्त; प्रशासनिक हिन्दी; नई दिल्ली ।
2. भोलानाथ तिवारी एवं विजय कुलश्रेष्ठ; प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ–पठन वाणी; नई दिल्ली ।
3. भोलानाथ तिवारी; पत्र–व्यवहार निर्देशिका; वाणी; नयी दिल्ली ।
4. श्रीराम मुंढ़े; विज्ञापन के तत्व; वाणी; नई दिल्ली।
5. कैलाशचन्द्र भाटिया; राजभाषा हिन्दी; वाणी; नई दिल्ली।
6. शिवनारायण चतुर्वेदी; टिप्पण प्रारूप; वाणी; नई दिल्ली।
7. शिवनारायण चतुर्वेदी; टिप्पण प्रारूप; वाणी; नई दिल्ली ।
8. प्रेमचन्द पातंजलि; व्यावसायिक हिन्दी; वाणी; नई दिल्ली।
9. विनोद कुमार प्रसाद; भाषा और प्रौद्योगिकी; वाणी; नई दिल्ली ।
10. विजय कुमार मल्होत्रा; कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग; वाणी; नई दिल्ली ।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(VI) कोश–विज्ञान
निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसके लिए 60 (3 X 20) अंक निर्धारित हैं।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे; जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इनके लिए 20(5 X 4) अंक निर्धारित हैं।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनके लिए 10(1X10) अंक निर्धारित है। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।
4. प्रश्न–पत्र में दिए गए पाँच शब्दों की 'कोश' हेतु प्रविष्टियाँ तैयार करनी होंगी । इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस अंश के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनातम्क, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

प्रविष्टि संरचना, रूपिम, शब्द और शब्दिम्, सरल, व्युत्पन्न और सामासिक शब्दिम्; सहप्रयोगात्मक, व्युत्पादक समास; सहप्रयोग और सन्दर्भ; रूप–अर्थ संबंध : अनेकार्थकता, समानार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मकता, विलोमता; कोश निर्माण की समस्याएँ : समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में; अलिखित भाषाओं का कोश–निर्माण ।
कोश विज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पतिशास्त्र, अर्थविज्ञान; पाश्चात्य कोश परम्परा; भारतीय कोश परम्परा तथा हिन्दी कोश साहित्य का इतिहास; हिन्दी कोश निर्माण : विज्ञान या कला।

संदर्भ सामग्री :

1. शिवनारायण चतुर्वेदी; हिन्दी शब्द सामर्थ्य; वाणी; नई दिल्ली ।
2. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव; भाषायी अस्मिता और हिन्दी; वाणी;नई दिल्ली ।
3. किशोरीदास वाजपेयी; हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण; वाणी;नई दिल्ली ।
4. विजय कुमार मल्होत्रा; कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग; वाणी;नई दिल्ली ।
5. राजमल बोरा; अर्थानुशासन (शब्दार्थ–विज्ञान); वाणी, नई दिल्ली ।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
(सत्र 2009–10 से प्रभावी)

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

प्रश्न–पत्र 10(VII) हरियाणा का हिन्दी साहित्य

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। – (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।
2. खण्ड–(क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (हरियाणा की प्रतिनिधि कविता) अंतिम चौदह कवि में से छः अवतरण में संकलित किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 30 (3 X 10) अंकों का होगा।
3. खण्ड–(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से संबंधित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 45 (15 X 3) अंकों का होगा ।
4. खण्ड–(ग) लघूत्तरी प्रश्नों से संबंधित है। निर्धारित पाठ्य विषयो में से दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15(5 X 3) अंक होंगे ।
5. खण्ड–(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से संबंधित है। इस खण्ड के लिए पाठ्यपुस्तक (हरियाणा : प्रतिनिधि कहानियाँ) निर्धारित है। इस पाठ्यपुस्तक में संकलित अंतिम दस कहानियों में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 10(1X10) अंकों का है।

व्याख्या हेतु पाठ्य ग्रन्थ

हरियाणा की प्रतिनिधि कविता, सम्पादक माधव कौशिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य ग्रंथ

हरियाणा : प्रतिनिधि कहानियाँ, सम्पादक लालचन्द गुप्त 'मंगल', हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषय –

1. खण्डकाव्य : परम्परा एवं प्रवृतियां, मुक्तक काव्य : परम्परा एवं प्रवृतियां, पत्रकारिता : परम्परा एवं प्रवृतियां, निबन्ध : परम्परा एवं प्रवृतियां, आलोचना : परम्परा एवं प्रवृतियां, उपन्यास : परम्परा एवं प्रवृतियां, कहानी : परम्परा एवं प्रवृतियां, लघुकथा : परम्परा एवं प्रवृतियां, बाल–साहित्य : परम्परा एवं प्रवृतियां, नाटक : परम्परा एवं प्रवृतियां, एकांकी : परम्परा एवं प्रवृतियां, गजल : परम्परा एवं प्रवृतियां, नवगीत : परम्परा एवं प्रवृतियां, नवगीत : परम्परा एवं प्रवृतियां, हिन्दी साहित्य को हरियाणा का योगदान।

संदर्भ सामग्री :

1. हरियाणा में रचित हिन्दी साहित्य; सत्यपाल गुप्त; भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़ (पंचकूला), 1969
2. ''सप्तसिन्धु'' (हरियाणा साहित्य विशेषांक); भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़ (पंचकूला) 1968
3. हरियाणा का हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास; शिव प्रसाद गोयल; नटराज पब्लिशिंग हाऊस करनाल; 1984

4. हिन्दी साहित्य को हरियाणा का योगदान; शशिभूषण सिंहल एवं सत्यपाल गुप्त; हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ (पंचकूला); 1991
5. हरियाणा में रचित सृजनात्मक हिन्दी साहित्य; रामनिवास ''मानव'', कृति प्रकाशन, दिल्ली एवं हिसार; 1999
6. ''संभावना'' (हरियाणा का हिन्दी साहित्य विशेषांक) लालचन्द गुप्त ''मंगल'' , हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2001
7. हरियाणा की हिन्दी काव्य सम्पदा; शक्ति; सत्य–सुन्दर प्रकाशक, दिल्ली; 1997
8. हरियाणा के हिन्दी प्रबन्ध काव्य; महासिंह पूनिया; निर्मल बुक एजेन्सी, कुरुक्षेत्र; 1998
9. हिन्दी उपन्यास साहित्य को हरियाणा का योगदान (अप्रकाशित शोध प्रबन्ध) सुखप्रीत; हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय; 1997
10. हरियाणा का लघुकथा संसार; रूपदेवगुण एवं राजकुमार निजात, राज पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली; 1988
11. हरियाणा की हिन्दी कहानी; उषालाल; निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली; 1996
12. हरियाणा में रचित हिन्दी नाटकों का सांस्कृतिक अध्ययन (अप्रकाशित शोध–प्रबन्ध) किरणबाला; हिन्दी विभाग; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ।
13. हरियाणा का हिन्दी साहित्य, लालचन्द गुप्त 'मंगल' हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।